

शास्त्रद्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)  
सरलमानकसंस्कृतम् (अनिवार्यम्)  
प्रथमपत्रम्

सम्पूर्णांकाः- 100

सैद्धान्तिकः- 75, उत्तीर्णांकाः- 28

आन्तरिकः- 25, उत्तीर्णांकाः- 08

| क्र.सं. | ग्रन्थाः                            | पाठ्यांशाः                           | अंशांकाः      | पूर्णांकाः | क्रेडिट |
|---------|-------------------------------------|--------------------------------------|---------------|------------|---------|
| 1       | कारकप्रकरणम्<br>(सिद्धान्तकौमुदी)   | विभाक्तसंप्रयोगः<br>वाक्यशुद्धीकरणम् | 15<br>10      | 25         | 1       |
| 2       | रचनानुवादकौमुदी<br>(अभ्यासाः 31-60) | अनुवादः<br>वाक्यशुद्धीकरणम्          | 15 (15)<br>15 | 25         | 1       |
| 3       | पंचतन्त्रम्<br>(सुहृद्भेदः)         | गद्यपद्यव्याख्याः<br>निबन्धः         | 10<br>15      | 25         | 1       |
| 4       | आन्तरिकमूल्यांकनम्                  |                                      |               | 25         | 1       |

सन्दर्भग्रन्थाः-

1- कारकप्रकरणम्-

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

(प्रकाशनम् - मोतीलाल बनारसी)

2- रचनानुवादकौमुदी- कपिलदेवद्विवेदी

सिद्धान्तकौमुदी  
विभाक्तसंप्रयोगः  
वाक्यशुद्धीकरणम्

अनुवादः  
वाक्यशुद्धीकरणम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
शास्त्रिपरीक्षायां द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय सेमेस्टर)

अनिवार्यसंस्कृतसाहित्यम्  
द्वितीयप्रश्नपत्रम्  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई<br>संख्या | ग्रन्थनामानि                                           | निर्धारितपाठ्यांशः                                      | क्रेडिट | अङ्काः |
|----------------|--------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------|---------|--------|
| 1              | मेघदूतम् (पूर्वार्द्धम्)                               | चतुस्त्रिंशत् श्लोकतः<br>पूर्वमेघस्य समाप्तिम्<br>यावत् | 01      | 25     |
| 2              | अभिज्ञानशाकुन्तलम्                                     | चतुर्थाङ्कादारभ्य<br>सप्तमाङ्कम् यावत्                  | 01      | 25     |
| 3              | सिन्धुवादवृत्तम्<br>(सम्पा० श्रीबटुकनाथशास्त्रीखिस्ते) | चतुर्थीयात्रावर्णनतः<br>सप्तमीयात्रावर्णनपर्यन्तम्      | 01      | 25     |
| 4              | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                                    |                                                         | 01      | 25     |

Shahar' Mr  
03/01/2024

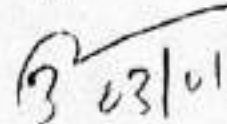


  
03/01/2024

03/01/2024  
03/01-2024

  
03-1-24

  
03-01-24

  
03/01/24

विभाग  
आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग,  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी  
शास्त्री प्रथम वर्ष- द्वितीय सेमेस्टर  
(अनिवार्य हिन्दी- तृतीय प्रश्नपत्र)  
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

पूर्णांक-75+25=100

| क्र.सं. | सहायक ग्रन्थ सूची                                  | निर्धारित पाठ्यक्रम                                                                | क्रेडिट | अंक |
|---------|----------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
| 1       | साहित्यिक निबन्ध आधुनिक<br>दृष्टिकोण - बच्चन सिंह  | निबंध मंजरी- (प्रो. विसम्भर नाथ)<br>निर्धारित निबंध का विशदीकरण एवं<br>संक्षेपीकरण | 1       | 25  |
| 2       | साहित्यिक निबन्ध- त्रिभुवन सिंह                    | निबंध मंजरी (प्रो० विसम्भर नाथ)<br>निबंध एवं निबंधकारों की समीक्षा                 | 1       | 25  |
| 3       | हिन्दी साहित्य का सरल<br>इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी | हिन्दी गद्य का इतिहास                                                              | 1       | 25  |
| 4       | आन्तरिक मूल्यांकन                                  |                                                                                    | 1       | 25  |





दिनांक

17/01/24  
आचार्य एवं अध्यक्ष  
आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग,  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

१-ऋग्वेदः

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                          | निर्धारितपाठ्यांशः                                            | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|---------------------------------------|---------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १.         | ऋग्वेदसंहितासायणभाष्यसहितम्           | द्वितीयोऽध्यायः                                               | १       | २५    |
| २.         | आश्वलायगृह्यसूत्रम्नारायणवृत्तिसहितम् | तृतीयोऽध्यायः                                                 | १       | २५    |
| ३.         | निरुक्तम्                             | द्वितीयोऽध्यायस्य<br>पादपर्यन्तम्<br>(स्वसंबद्धनिघण्टुसहितम्) | १-७     | २५    |
| ४.         | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                   |                                                               | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

२. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनीयशास्त्रीयः)

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                   | निर्धारितपाठ्यांशः                                              | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|--------------------------------|-----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १.         | शुक्लयजुःसंहितायाःमहीधरभाष्यम् | द्वितीयोऽध्यायः                                                 | १       | २५    |
| २.         | शुक्लयजुःसंहितायाःमहीधरभाष्यम् | तृतीयोऽध्यायः                                                   | १       | २५    |
| ३.         | निरुक्तम्                      | द्वितीयोऽध्यायस्य (१-७)<br>पादपर्यन्तम्(स्वसंबद्धनिघण्टुसहितम्) | १       | २५    |
| ४.         | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्            |                                                                 | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

शाखी-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                   | निर्धारितपाठ्यांशः                                             | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|--------------------------------|----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १          | तैत्तिरीयसंहितायाः सायणभाष्यम् | सप्तमकाण्डस्य पंचमः प्रपाठकः                                   | १       | २५    |
| २          | आपस्तम्बीयं गृह्यसूत्रम्       | ६-१० खण्डानि                                                   | १       | २५    |
| ३          | निरुक्तम्                      | द्वितीयोऽध्यायस्य १-७ पादपर्यन्तम्<br>(स्वसंबद्धनिघण्टुसहितम्) | १       | २५    |
| ४          | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्            |                                                                | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

४. सामवेदः

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                                       | निर्धारितपाठ्यांशः                                             | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|----------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १          | सामवेदसंहिता                                       | पूर्वार्चिकस्य प्रथमाध्यायस्य ७-१२ खण्डानां<br>पदपाठः सस्वरः   | १       | २५    |
| २          | छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मणम्,<br>गुणविष्णुभाष्यसहितम् | द्वितीयं प्रपाठकम्                                             | १       | २५    |
| ३          | निरुक्तम्                                          | द्वितीयोऽध्यायस्य १-७ पादपर्यन्तम्<br>(स्वसंबद्धनिघण्टुसहितम्) | १       | २५    |
| ४          | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                                |                                                                | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

५. अथर्ववेद

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि        | निर्धारितपाठ्यांशः                                             | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|---------------------|----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १          | अथर्ववेदसंहिता      | द्वितीयकाण्डस्य सायणभाष्यम्                                    | १       | २५    |
| २          | कौशिकगृह्यसूत्रम्   | ८-११ अध्यायपर्यन्तम्                                           | १       | २५    |
| ३          | निरुक्तम्           | द्वितीयोऽध्यायस्य १-७ पादपर्यन्तम्<br>(स्वसंबद्धनिघण्टुसहितम्) | १       | २५    |
| ४          | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् |                                                                | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी



सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
६. वेदनैरुक्तप्रक्रिया  
शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)  
पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                  | निर्धारितपाठ्यांशः | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-------------------------------|--------------------|---------|-------|
| १          | नारदीयशिक्षामाण्डूकीशिक्षाश्च | सम्पूर्णम्         | १       | २५    |
| २          | कात्यायनीच्छन्दःसूत्रम्       | सम्पूर्णम्         | १       | २५    |
| ३          | ऋक्प्रातिशाख्यम्              | प्रथमं पटलम्       | १       | २५    |
| ४          | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्           |                    | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

७. पौरोहित्यम्

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः ७५+२५=१००

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                                              | निर्धारितपाठ्यांशः                                                                                                     | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १          | कात्यायनीयम्मूल्याध्यायपरिशिष्टम्                         | सम्पूर्णम्                                                                                                             | १       | २५    |
| २          | लीलावती                                                   | परिभाषाप्रकरणम्                                                                                                        | १       | २५    |
| ३          | पारस्कृष्टसूत्रं हरिहरभाष्यम्<br><br>याज्ञवल्क्यस्मृतिश्च | द्वितीयं<br>काण्डम्<br><br>दायभागप्रकरणतः<br>वाक्यपारुष्यप्रकरणपर्यन्तम्)<br>आचाराध्यायः ११४-<br>२११ श्लोकाः पर्यन्तम् | १       | २५    |
| ४          | आन्तरिकम्मूल्याङ्कनम्                                     |                                                                                                                        | १       | २५    |

अध्यक्ष-वेद विभाग  
सं. सं. वि. वि., वाराणसी

व्याकरणविभागः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी।

सत्र 2022-2023

शास्त्रप्रथमवर्षम्- द्वितीयषाण्मासिकम् (द्वितीय सेमेस्टर)

(प्राचीनव्याकरणम्)

प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

चतुर्थपत्रम्-

पूर्णांकाः-100 (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि | निर्धारितपाठ्यांशः                   | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|--------------|--------------------------------------|---------|-------|
| 1           | महाभाष्यम्   | पंचममाहिकम्- षष्ठमाहिकम्             | 01      | 25    |
| 2           | महाभाष्यम्   | सप्तममाहिकम्-अष्टममाहिकम्-नवममाहिकम् | 01      | 25    |
| 3           | काशिका       | काशिका कारिकांशवर्जिता नियतभागस्था   | 01      | 25    |
| 4           |              | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                  | 01      | 25    |

AR  
18.1.24

Bilwesh  
17/01/24

व्याकरणविभागः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी।

सत्र 2022-2023

शास्त्रप्रथमवर्षम्- द्वितीयषाण्मासिकम् (द्वितीय सेमेस्टर)

(नव्यव्याकरणम्)

प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

चतुर्थपत्रम्-

पूर्णांकाः-100 (क्रेडिट-4)

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                 | निर्धारितपाठ्यांशः                                              | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|------------------------------|-----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1          | शब्दरत्नसहिता<br>प्रौढमनोरमा | न पदान्त० सूत्रादारभ्य ' हलो यमां<br>यमि लोपः' इति सूत्रं यावत् | 01      | 25    |
| 2          | शब्दरत्नसहिता<br>प्रौढमनोरमा | 'वान्तो यि प्रत्यये' इति सूत्रादारभ्य<br>अक्सन्ध्यन्तो भागः     | 01      | 25    |
| 3          | शब्दरत्नसहिता<br>प्रौढमनोरमा | हल्सन्धिप्रकरणात्<br>स्वादिसन्धिपर्यन्तो भागः                   | 01      | 25    |
| 4          | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्          |                                                                 | 01      | 25    |

AR  
18.1.24

Bilwal  
17/01/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
साहित्यविभागः

शास्त्रिपरीक्षायां द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय सेमेस्टर)  
विषयः - साहित्यम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि        | निर्धारितपाठ्यांशः               | क्रेडिट | अङ्काः |
|-------------|---------------------|----------------------------------|---------|--------|
| 1           | शिशुपालवधमहाकाव्यम् | तृतीयमर्गः                       | 01      | 25     |
| 2           | शिशुपालवधमहाकाव्यम् | चतुर्थमर्गः                      | 01      | 25     |
| 3           | मृच्छकटिकम्         | चतुर्थ-अङ्कतः सप्तमाङ्कपर्यन्तम् | 01      | 25     |
| 4           | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् |                                  | 01      | 25     |

Shate: M...  
03/01/2024

03/01/2024

03/01/2024

03/01/24

03-02-2024

03.1.24

न्यायवैशेषिकविभागे प्राचीनन्यायविषये

शास्त्रप्रथमवर्षीये द्वितीयसत्रार्द्धे

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (प्रचीनन्याय)

| क्र.स. | ग्रन्थाः          | पाठ्यांशः                                | क्रेडिट | पूर्णांकाः |
|--------|-------------------|------------------------------------------|---------|------------|
| 1.     | प्रशस्तपादभाष्यम् | आदितः पृथिवीनिरूपणात्पूर्वभागः           | 1       | 25         |
| 2.     | प्रशस्तपादभाष्यम् | सृष्टिसंहारप्रकरणान्तोभागः               | 1       | 25         |
| 3.     | प्रशस्तपादभाष्यम् | आकाशदिग्निरूपणात्आत्मनिरूपणान्तोभा<br>गः | 1       | 25         |
| 4.     |                   | आन्तरिकमूल्यांकनम्                       | 1       | 25         |

द्वितीयः  
22/12/23

श्री. श्री. श्री.  
1. 2. 3. 4.  
22/12/23

अ. श्री. श्री.  
22.12.2023

न्यायवैशेषिकविभागे नव्यन्यायविषये  
शास्त्रप्रथमवर्षीये द्वितीयसत्रार्थे (नव्यन्यायः)  
चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थाः              | पाठ्यांशः                                                                             | क्रेडिट | पूर्णांकाः |
|---------|-----------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|---------|------------|
| 1.      | जागदीशीव्यधि<br>करणम् | द्वितीयलक्षणसम्पूर्णम्                                                                | 1       | 25         |
| 2.      | जागदीशीव्यधि<br>करणम् | चक्रवर्तितृतीयलक्षणोत्थानबीजपर्यन्तम्                                                 | 1       | 25         |
| 3.      | जागदीशीव्यधि<br>करणम् | सामानाधिकरण्यदलवैयर्थ्यमित्यस्मदगुरुचरणाः<br>इत्यतः अवशिष्टान्तः चक्रवर्तिलक्षणविचारः | 1       | 25         |
| 4.      |                       | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                    | 1       | 25         |

द्वि.शः  
22/12/23

श्री. श्री. श्री.  
1. 2. 3. 4.  
22/12/23

अ. अ. अ. अ.  
22.12.2023

पूर्वमीमांसा  
(शास्त्री द्वितीयाध्याये)

10

|                                               |    |
|-----------------------------------------------|----|
| (क) आदितः प्रामाण्यपरतस्त्वनिरासान्तो भागः।   | 15 |
| (ख) आकाशनिरूपणान्मनोनिरूपणान्तो भागः।         | 15 |
| (ग) शब्दनिरूपणाज्जातिनिरूपणान्तो भागः         | 15 |
| (घ) गुणनिरूपणम् ।                             | 15 |
| (ङ) कर्मनिरूपणाद् ग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तो भागः। | 15 |

2. आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 25

22.12.2023

पूर्व श्रीमान् विमान  
ममूर्णानन्द संस्कृत मिशन, दिल्ली



## वेदान्तविषये

शास्त्रपरीक्षायां द्वितीयाधिसत्रे ,द्वितीय से.

चतुर्थपत्रम्

सर्वेषां कृते ,ऋते शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तम्

1.वेदान्तपरिभाषा ,लेखक:- धर्मराजाध्वरीन्द्रः सहायकग्रन्थः -प्रो०  
रामकिशोरत्रिपाठिकृतचन्द्रिकाटीकाद्वयोपेता ,चौखम्बापुस्कालय नीचीबाग,वाराणसी

2.प्रश्नोपनिषद् मुण्डकोपनिषद्

| अंशाः | ग्रन्थः        | पाठ्यांशः                                    | क्रेडिट | अंकाः |
|-------|----------------|----------------------------------------------|---------|-------|
| 1.    | वेदान्तपरिभाषा | उपमानपरिच्छेदादनुपलब्धिपरिच्छेदान्तो<br>भागः | 1       | 20    |
| 2.    | "              | विषयपरिच्छेदः                                | 1       | 20    |
| 3.    | "              | प्रयोजनपरिच्छेदः                             | 1       | 20    |
| 4.    | "              | प्रश्नोपनिषद् मुण्डकोपनिषदौ                  | 1       | 15    |
| 5.    |                | आन्तरिकमूल्यांकनम्                           | 1       | 25    |

शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते

## चतुर्थपत्रम्

1.सिद्धान्तशिरोपनिषद्,उमचगिमणि शास्त्रीकृतशांकरिव्याख्यासहिता

2.श्वेताश्वतरोपनिषद् वीरशैवभाष्यसहिता

| अंशाः | ग्रन्थः                          | पाठ्यांशः                                 | क्रेडिट | अंकाः |
|-------|----------------------------------|-------------------------------------------|---------|-------|
| 1.    | सिद्धान्तशिरोपनिषद्<br>सम्पूर्णा | सम्पूर्णा                                 | 1       | 20    |
| 2.    | "                                | श्वेताश्वतरोपनिषदः<br>प्रथमद्वितीयाध्यायौ | 1       | 20    |
| 3.    | "                                | तृतीयचतुर्थाध्यायौ                        | 1       | 20    |
| 4.    | "                                | पंचमषष्ठाध्यायौ                           | 1       | 15    |
| 5.    |                                  | आन्तरिकमूल्यांकनम्                        | 1       | 25    |

24/11/2018

अध्यक्ष

वेदान्त विभाग

म०सं०वि०वि०,वाराणसी



## सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी

जैनदर्शनम्

नवीनपाठ्यक्रमः

शास्त्रीप्रथम वर्ष, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीयसेमेस्टर)

चतुर्थपत्रम्

प्रमाणमीमांसा-प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकपर्यन्तम्

अङ्काः - 75+25=100

क्रेडिट-अङ्क

|                                                               |      |
|---------------------------------------------------------------|------|
| (क) ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्यचवैशिष्ट्यम्- (इकाई 1)              | 1-20 |
| (ख) प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकस्यप्रमाणस्वरूपविवेचनम्-(इकाई 2) | 1-20 |
| (ग) द्वितीयाह्निकआदितः दशसूत्रपर्यन्तम्- (इकाई 3)             | 1-20 |
| (घ) द्वितीयाह्निकस्यएकादशसूत्रतः समाप्तिपर्यन्तम्- (इकाई 4)   | 1-15 |
| आन्तरिकमूल्याङ्कनम् - <sup>प्र</sup>                          | 1-25 |

सन्दर्भग्रन्थः - प्रमाणमीमांसा-त्रिलोकरत्नस्थानकवारीजैनपरीक्षाबोर्ड, बुरुडगाँवरोड, अहमदनगर (महाराष्ट्र)

अङ्कविभाजनम् - 30+20+25=75

|                             |            |             |
|-----------------------------|------------|-------------|
| प्रथमखण्ड (निबन्धात्मक)     | - दोप्रश्न | 15×2 = 30   |
| द्वितीयखण्ड (लघूत्तरात्मक)  | - दोप्रश्न | 10×2 = 20   |
| तृतीयखण्ड (अतिलघूत्तरात्मक) | - दशप्रश्न | 10×2.5 = 25 |
|                             |            | <u>75</u>   |

आन्तरिकमूल्याङ्कन - 25

सम्पूर्णांक - 100

प्रश्न उत्तर 16.1.24  
वापस किया -  
नमो भगवते वासुदेवाय  
सम्पूर्णानन्दसंस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी  
18/1/24

शास्त्री द्वितीयाधिसत्रम्  
चतुर्थ - प्रश्नपत्रम् (पालि)

सहायकग्रन्थाः —

- अभिधम्मत्थसंगहा – प्रो० रामशंकर त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी
- अभिधम्म फिलासफी – भिक्षु जगदीशकाश्यप
- Compendium of Philosophy - C.F. Rhys Davids
- Manual of Abhidhamma - Narada Thera - Buddhist Publication Society, Kandy, Sri Lanka

10-1-24

$10^{-01} \text{ } 10^{-2} \Delta$

10/1/24

प्राकृतएवंजैनागम ( नवीनसंसोधितपाठ्यक्रम )

शास्त्रीद्वितीयाधिसत्रम् ( द्वितीयसेमेस्टर )

प्राकृतएवंजैनागम

चतुर्थपत्रम्

प्राकृतसाहित्यसामान्यपरिचय

क्रेडिट-अङ्कः

|                                     |   |             |      |
|-------------------------------------|---|-------------|------|
| 1. प्राकृतस्वरूपम्                  | - | प्रथमइकाई   | 1-20 |
| 2. प्राकृतभाषास्वरूपतद्भेदाश्च      | - | द्वितीयइकाई | 1-20 |
| 3. आगमस्वरूपसंक्षेपेण               | - | तृतीयइकाई   | 1-20 |
| 4. कुन्दकुन्दस्यव्यक्तित्वतत्त्वस्य | - |             |      |
| सामान्यपरिचयः                       | - | चतुर्थइकाई  | 1-15 |

आन्तरिकमूल्याङ्कन -

संदर्भग्रन्थविवरणम्

1-25

1. प्राकृतसाहित्यकाइतिहास - डॉ. जगदीशजैन, चौखम्बाविद्याभवन।
2. प्राकृतभाषाएवंसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास - डॉ. नेमिचन्द्रशास्त्री, ताराप्रिण्टर्स।
3. प्राकृतभाषाविमर्शः-प्रो. फूलचन्द्रजैनप्रेमी, भोगीलालत, लेहरचन्द्र, दिल्ली।

अङ्कविभाजनम् -  $30+20+25=75$

|                           |                                              |      |
|---------------------------|----------------------------------------------|------|
| प्रथमखण्डनिबन्धात्मक-     | 30 (दोप्रश्न) प्रश्नपत्र - $15 \times 2$     | = 30 |
| द्वितीयखण्ड लघूत्तरात्मक  | - 20 (दोप्रश्न) प्रश्नपत्र - $10 \times 2$   | = 20 |
| तृतीयखण्ड अतिलघूत्तरात्मक | - 25 (दसप्रश्न) प्रश्नपत्र - $10 \times 2.5$ | = 25 |
|                           |                                              | 75   |

आन्तरिकमूल्याङ्कम् -

25

सम्पूर्णांक -

100

प्रा. वि. 16/11/2014  
अध्यक्ष  
प्राकृत एवं जैनागम विभाग  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय  
वाराणसी

सां.यो. २०५/२०२३  
२२/१२/२०२३

17-10-19

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020-2021 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः-आगम

कक्षा- शास्त्री प्रथमवर्षम्

द्वितीयाधिसत्रम् ( द्वितीय सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः-100

| अंशः | ग्रन्थः         | पाठ्यांशः                                       | क्रेडिट | अंकः |
|------|-----------------|-------------------------------------------------|---------|------|
| 1.   | षट्चक्रनिरूपणम् | आदितःमणिपूरचक्रान्तम्                           | 1       | 20   |
| 2.   | षट्चक्रनिरूपणम् | रुद्रस्वरूपादाज्ञाचक्रान्तम्                    | 1       | 20   |
| 3.   | षट्चक्रनिरूपणम् | महानाददर्शनफलादारम्भ<br>मूलाधारपद्मनिरूपणान्तम् | 1       | 20   |
| 4.   | षट्चक्रनिरूपणम् | धरामण्डलबीजस्वरूपादारम्भ<br>अवशिष्टो भागः       | 1       | 15   |
| 5.   |                 | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                             | 1       | 25   |

2/11/23  
22/12/2023

प्रो. राघवेंद्र जी दूवे  
प्रोफेसर  
सांख्ययोग तन्त्रागम

22/12/23

प्रोफेसर (डी०) ललित कुमार चौब  
अध्यक्ष  
सांख्ययोगतन्त्रागम विभाग  
सि०रा०वि०वि०-वाराणसी

सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020-2021 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्री प्रथमवर्षम्

द्वितीयाधिसत्रम् ( द्वितीय सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः-100

| अंशा | ग्रन्थः               | पाठ्यांशः           | क्रेडिट | अंकाः |
|------|-----------------------|---------------------|---------|-------|
| 1.   | सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः | प्रथमोपदेशः         | 1       | 20    |
| 2.   | सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः | द्वितीयतृतीयोपदेशौ  | 1       | 20    |
| 3.   | सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः | चतुर्थपंचमोपदेशौ    | 1       | 20    |
| 4.   | सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः | षष्ठोपदेशः          | 1       | 15    |
| 5.   |                       | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् | 1       | 25    |

2/11/21  
22/12/2023

प्रो. राधवेन्द्र जी दूबे  
प्रोफेसर  
सांख्ययोग तन्त्रागम

2/11/21

प्रोफेसर (डी०) ललित कुमार चौब  
अध्यक्ष  
सांख्ययोगतन्त्रागम विभाग  
सं० रा० वि० वि०-वाराणसी



ज्योतिषविभागः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।

सत्र 2022-2023

द्वितीयाधिसत्रम् (सिद्धान्तज्योतिषम्)

चतुर्थपत्रम्— पूर्णाङ्काः -  $75 + 25 = 100$  (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि                  | निर्धारितपाठ्यांशः                                           | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|-------------------------------|--------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1           | रेखागणितम्                    | षष्ठाध्यायस्य 31 प्रतिज्ञातः समाप्तिपर्यन्तम्                | 01      | 25    |
| 2           | रेखागणितम्                    | 11-12 अध्यायौ                                                | 01      | 25    |
| 3           | गोलीयरेखागणितम्<br>गोलपरिभाषा | दशमक्षेत्रतः समाप्तिपर्यन्तम्<br>56 श्लोकतः समाप्तिपर्यन्तम् | 01      | 25    |
| 4           |                               | आंतरिकमूल्यांकनम्                                            | 01      | 25    |

AR  
6.1.24

ज्योतिषविभाग: सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।

सत्र 2022-2023

द्वितीयाधिसत्रम् (फलितज्योतिषम्)

चतुर्थपत्रम्-

पूर्णाङ्काः -  $75 + 25 = 100$  (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि              | निर्धारितपाठ्यांशः                                         | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|---------------------------|------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1           | ताजिकनीलकण्ठी             | वर्षतन्त्रे वर्षेशफलाध्यायतः<br>अरिष्टाध्यायपर्यन्तम्      | 01      | 25    |
| 2           | ताजिकनीलकण्ठी             | वर्षतन्त्रे<br>अरिष्टभंगाध्यायतः दशाफलाध्यायपर्यन्तम्      | 01      | 25    |
| 3           | षट्पंचाशिका<br>गोलपरिभाषा | 29 श्लोकतः समाप्तिपर्यन्तम्<br>56 श्लोकतः समाप्तिपर्यन्तम् | 01      | 25    |
| 4           |                           | आंतरिकमूल्यांकनम्                                          | 01      | 25    |

AR  
6.1.24



ज्योतिषविभागः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
शास्त्रप्रथमवर्षम् - द्वितीयसत्रार्धम् (गणितम्)

चतुर्थपत्रम् -

पूर्णाङ्कः -  $75 + 25 = 100$  (क्रेडिट-4)

| इकाई<br>संख्या | निर्धारितपाठ्यांशः                                          | क्रेडिट | अंकाः |
|----------------|-------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1              | बीजगणिते सरलविततभिन्नसमता                                   | 01      | 25    |
| 2              | समीकरणानामीमांसा                                            | 01      | 25    |
| 3              | अव्यक्तज्यामितौ सरलरेखाः, वृत्तञ्च<br>दीर्घवृत्तमतिपरवलयञ्च | 01      | 25    |
| 4              | आंतरिकमूल्यांकनम्                                           | 01      | 25    |

AR  
6.1.24

धर्मशास्त्रम् सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।

सत्र 2022-2023

शास्त्रप्रथमवर्षम्-द्वितीयसत्रार्धम् (द्वितीय सेमेस्टर)

(धर्मशास्त्रम्)

चतुर्थपत्रम्-

पूर्णांकाः- 100 (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि      | निर्धारितपाद्यांशः | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|-------------------|--------------------|---------|-------|
| 1           | मनुस्मृतिः        | 7-9 अध्यायाः       | 01      | 25    |
| 2           | मनुस्मृतिः        | 10-12 अध्यायाः     | 01      | 25    |
| 3           | गौतमधर्मसूत्रम्   | प्रथमप्रश्नः       | 01      | 25    |
| 4           | आंतरिकमूल्यांकनम् |                    | 01      | 25    |

16.1.24

शास्त्री-प्रथमपरीक्षावर्षम् - द्वितीयसत्रार्द्धम् (पुराणेतिहास)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक- ७५+२५=१०० (क्रेडिट-४)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि                            | निर्धारितपाठ्यांशः       | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|-----------------------------------------|--------------------------|---------|-------|
| १           | श्रीमद्भागवतमहापुराणम् द्वितीयः स्कन्धः | आदितः ३ अध्याय पर्यन्तम् | १       | २५    |
| २           | श्रीमद्भागवतमहापुराणम् द्वितीयः स्कन्धः | चतुर्थपञ्चमाध्यायौ       | १       | २५    |
| ३           | श्रीमद्भागवतमहापुराणम् द्वितीयः स्कन्धः | षष्ठसप्तमअध्यायौ         | १       | २५    |
| ४           | आन्तरिक मूल्यांकन                       |                          | १       | २५    |

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रविभागः

शास्त्री - द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

सत्र - २०२२-२३

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः ७५+२५=१००(क्रेडिट-४)

| इकाईसंख्या<br>II | ग्रन्थनामानि                                            | निर्धारितपाठ्यांशः           | क्रेडिट<br>ट | अंका<br>: |
|------------------|---------------------------------------------------------|------------------------------|--------------|-----------|
| १                | कामन्दकीयनीतिसारः                                       | चतुर्थपंचमसर्गौ              | १            | २५        |
| २                | कामन्दकीयनीतिसारः                                       | षष्ठसप्तमसर्गौ               | १            | २५        |
| ३                | किरातार्जुनीयम्राजनीतिशतकम्(सम्पादकप्रो.दिनेशकुमारगर्ग) | प्रथमद्वितीयोसर्गौसम्पूर्णम् | १            | २५        |
| ४                | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                      |                              | १            | २५        |

१६.१.२५

विभागाध्यक्षः

प्राचीनराजशास्त्र-अर्थशास्त्र विभागः

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

१. तुलनात्मकधर्मदर्शन विभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः दर्शनम्

शास्त्री-परीक्षा, (द्वितीयाधिसत्रम् - २०२२-२३)

विषयः दर्शनम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः - 75 + 25 = 100

| अकः | ग्रन्थः               | पाठ्यांशः                                            | क्रेडिट | अंकाः |
|-----|-----------------------|------------------------------------------------------|---------|-------|
| १   | वेदान्तसारः           | प्रारम्भाद् अध्यारोपर्यन्तम्                         | १       | २०    |
| २   | वेदान्तसारः           | समष्टिव्यष्टितः स्थूलप्रज्ञोत्पत्तिपर्यन्तम्         | १       | २०    |
| ३   | वेदान्तसारः           | स्थूलप्रपञ्चनिरूपणम्<br>जहदजहल्लक्षणानिरूपणपर्यन्तम् | १       | २०    |
| ४   | वेदान्तसारः           | अनुभववाक्यार्थतः समाप्तिं यावत्                      | १       | १५    |
| ५   | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |                                                      | १       | २५    |

*Handwritten signature*

देखा/कि डी।  
२/१५/२५  
१/०१/२५

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शनविभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी णट्क्रमः

विषयः तुलनात्मकदर्शनम्

शास्त्री-परीक्षा, द्वितीयाधिसत्रम् (द्वितीय-सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (द्वितीयाधिसत्रम्)

| अंकः | ग्रन्थः                | पाठशांशः                                                      | क्रेडिट | अंकाः |
|------|------------------------|---------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १    | अर्वाचीनं मनोविज्ञानम् | परिभाषा, अध्ययनगतिः, अन्यविज्ञानैः सह सम्बन्धः, मनायुमण्डलञ्च | १       | २०    |
| २    | अर्वाचीनं मनोविज्ञानम् | ध्यानं, शिक्षणं, चिन्तनं, बुद्धिः, व्यक्तित्वञ्च              | १       | २०    |
| ३    | पातञ्जलयोगदर्शनम्      | योगपरिभाषा, हठयोगः                                            | १       | २०    |
| ४    | पातञ्जलयोगदर्शनम्      | अष्टाङ्गयोगः                                                  | १       | २५    |
| ५    | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  |                                                               | १       | २५    |

५ आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्

*Handwritten signature*

देखा / ६१६६।  
२६/१५/२५  
१/११/२५

समपूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- तुलनात्मकधर्मः

कक्षा- शास्त्री प्रथमवर्षम्

चतुर्थ-पत्रम् (द्वितीयाधिसत्रम्)

पूर्णाङ्काः - 75 + 25 = 100

| अंशः | ग्रन्थः               | पाठ्यांशः                           | क्रेडिट | अङ्काः |
|------|-----------------------|-------------------------------------|---------|--------|
| 1.   | धर्मदर्शन-याकूब मसीह  | सामीय (सेमेटिक) धर्माणां पृष्ठभूमिः | 1       | 20     |
| 2.   | धर्मदर्शन-याकूब मसीह  | यहूदी-धर्मपरिचयः                    | 1       | 20     |
| 3.   | धर्मदर्शन-याकूब मसीह  | ईसाई-धर्मपरिचयः                     | 1       | 20     |
| 4.   | धर्मदर्शन-याकूब मसीह  | इस्लाम-धर्मपरिचयः                   | 1       | 15     |
| 5.   | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |                                     | 1       | 25     |

५ आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्

रि. १२/१३

देवा/ ६/६/२१  
२/१/२१  
१/०१/२१

संस्कृतविद्याविभागीयपाठ्यक्रमाः  
शास्त्रिद्वितीयाधिसत्रम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् - व्याकरणं दर्शनञ्च

पूर्णांकः - 75+25=100

क्रेडिट-04

| सं.         | ग्रन्थाः               | पाठ्यांशाः                               | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|------------------------|------------------------------------------|---------|-------|
| प्रथमोऽशः   | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | अजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्                   | 01      | 25    |
| द्वितीयोऽशः | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | अजन्तस्त्रीलिङ्ग<br>नपुंसकलिङ्ग प्रकरणम् | 01      | 25    |
| तृतीयोऽशः   | तर्कसंग्रहः            | पदकृत्यसहितः<br>अनुमानतः समाप्तियावत्    | 01      | 25    |
| चतुर्थोऽशः  | आन्तरिकमूल्यांकनम्     |                                          | 01      | 25    |

(डा. रविशंकर पाठक)  
स. आ. सं. वि. विद्यापीठम्



32

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी  
शास्त्री प्रथम वर्ष  
विषय: भाषा विज्ञान (शास्त्रीय विषय)  
चतुर्थ प्रश्नपत्र- द्वितीय अधिसत्र  
(द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक- 75+25=100

क्रेडिट-अंक

ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि नियम

- |                                                                                   |      |
|-----------------------------------------------------------------------------------|------|
| इकाई-1. व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण स्थान के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण। | 1-25 |
| इकाई-2. प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण।                           | 1-25 |
| इकाई-3. पाणिनीय शिक्षा।                                                           | 1-25 |
| इकाई-4. आन्तरिक मूल्यांकन                                                         | 1-25 |

सहायक ग्रन्थ:

- |                                 |                          |
|---------------------------------|--------------------------|
| 1. भाषाविज्ञान                  | : डॉ. भोला नाथ तिवारी।   |
| 2. भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र | : डॉ. कपिल देव द्विवेदी। |
| 3. ध्वनि विज्ञान                | : गोलोक बिहारी ढल।       |
| 4. पाणिनीय शिक्षा               | : पाणिनी।                |

17/01/2024  
आधुनिक भाषा एवं भाषा-विज्ञान विभाग  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

## वेदान्तविषये

शास्त्रपरीक्षायां द्वितीयाधिसत्रे ,द्वितीय से.

चतुर्थपात्रम्

शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते

चतुर्थपात्रम्

1. सिद्धान्तशिरोपनिषद्, उमचगिमणि शास्त्रीकृतशांकरीव्याख्यासहिता

2. श्वेताश्वतरोपनिषद् वीरशैवभाष्यसहिता

| अंशः | ग्रन्थः                          | पाठ्यांशः                                  | क्रेडिट | अंकाः |
|------|----------------------------------|--------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | सिद्धान्तशिरोपनिषद्<br>सम्पूर्णा | सम्पूर्णा                                  | 1       | 20    |
| 2.   | "                                | श्वेताश्वतरोपनिषद्:<br>प्रथमद्वितीयाध्यायौ | 1       | 20    |
| 3.   | "                                | तृतीयचतुर्थाध्यायौ                         | 1       | 20    |
| 4.   | "                                | पंचमषष्ठाध्यायौ                            | 1       | 15    |
| 5.   | "                                | आन्तरिकमूल्यांकनम्                         | 1       | 25    |

24/4/2024  
अध्यक्ष

वेदान्त विभाग  
स०सं०वि०वि०, वाराणसी